अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 (IGM) समारोह के हिस्से के रूप में **11 दिवसीय 'गीता प्रश्नोत्तरी'** शुरू किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिदिन **गीता और महाभारत** से संबंधित पाँच प्रश्न पूछे जाते हैं। **ओडिशा IGM 2024 का भागीदार राज्य** है।

प्रमुख बिंदु

- **गीता प्रश्नोत्तरी के उद्देश्य:**
  - इस प्रश्नोत्तरी का उद्देश्य **लोगों,** विशेषकर युवाओं को **गीता और महाभारत** के बारे में **शिक्षित करना** है।
  - प्रतिभागियों को पवित्र पुस्तकें उठाकर उत्तर खोजने, चर्चा और जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है।
  - यह **प्रश्नोत्तरी मुख्य महोत्सव शुरू होने से पहले श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों के लिये एक अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम के रूप में कार्य करती है।**
- **प्रतियोगिता प्रारूप और पुरस्कार:**
  - प्रश्नोत्तरी की दो श्रेणियाँ हैं: सार्वजनिक और विद्यार्थी।
    - प्रत्येक दिन प्रत्येक श्रेणी से 20 विजेताओं को 500-500 रुपए मिलेंगे।
  - प्रश्नोत्तरी के अंत में, प्रत्येक श्रेणी के 25 विजेताओं को 1,000 रुपए मिलेंगे, जिनमें से 10 विजेता हरियाणा से, 10 अन्य राज्यों से और 5 विजेता ओडिशा से IGM 2024 में शामिल होंगे।
  - शीर्ष प्रेरकों को **मौद्रिक पुरस्कार और उत्कृष्टता प्रमाण पत्र भी प्रदान किये जाएंगे।**
- **स्कूली छात्रों और गुणवत्तापूर्ण प्रश्नों पर ध्यान देना:**
  - स्कूल जाने वाले बच्चे प्रतिभागियों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं।
  - भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये दैनिक विजेताओं की संख्या दोगुनी कर दी गई है, जबकि प्रश्नों की गुणवत्ता में सुधार किया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 (IGM)

- यह उत्सव **नैतिक और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को बढ़ावा** देता है तथा आज के चुनौतीपूर्ण समय में प्रासंगिकता प्रदान करता है।
- इस **महोत्सव का उद्देश्य भगवद् गीता की शाश्वत शिक्षाओं के माध्यम से लोगों को प्रबुद्ध करना** है, जिसे प्रायः **"दिव्य गीत"** कहा जाता है।
- **महोत्सव का इतिहास:**
  - हरियाणा सरकार और कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के संयुक्त प्रयासों से **वर्ष 1989 से कुरुक्षेत्र, हरियाणा में गीता महोत्सव मनाया जाता रहा** है।
- **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान:**
  - **वर्ष 2016 में** हरियाणा ने इस उत्सव को **अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव** के रूप में घोषित किया, जिसके तहत **कुरुक्षेत्र में दो मिलियन से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ।**
- **हाल के समारोहों की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों एवं शिल्पकारों** की भागीदारी।
  - धार्मिक एवं आध्यात्मिक संगठनों द्वारा **बड़े शिल्प मेले एवं प्रदर्शनियाँ।**
  - कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा गीता पर आयोजित संगोष्ठी में भारतीय और विदेशी विद्वानों ने भाग लिया।
  - 18,000 विद्यार्थियों द्वारा **गीता का वैश्विक जप।**
  - गीता शोभायात्रा, विभिन्न भारतीय क्षेत्रों के खाद्य स्टाल और एक **भव्य शिल्प मेला।**
- **सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रभाव:**
  - यह महोत्सव **सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आध्यात्मिकता को बढ़ावा देता है, वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करता है** और प्रत्येक वर्ष इसकी लोकप्रियता बढ़ती जा रही है।
  - अपने विविध कार्यक्रमों के माध्यम से गीता महोत्सव विभिन्न क्षेत्रों और देशों के लोगों को एकजुट करता है तथा **भगवद् गीता** के सार का उत्सव मनाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-gita-fest-1